IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor 6.252

रिलायंस जिओ के वित्तीय विवरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Dr. Sanjay Prasad[1] and Soniya Gupta[2]
Assistant Professor, Department of Commerce[1]
Research Scholar, Department of Commerce[2]
Government College, Pithampur, Dhar, Madhya Pradesh, India[1]
School of Commerce, Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore, Madhya Pradesh, India[2]

सारांश-

वर्तमान समय में दूरसंचार के क्षेत्र में जिओ कंपनी का प्रमुख स्थान है| रिलायंस जिओ भारत का एक वृहद मोबाइल नेटवर्क है| जिओ केवल भारत में ही नहीं अपितु यू.के.,चीन, सिंगापुर आदि देशो में भी प्रमुख सेवाए प्रदान कर रहा है |जिओ ने अपनी सेवाओ के द्वारा मध्यम वर्गीय परिवारों को सबसे अधिक आकर्षित किया है|प्रस्तुत शोध रिलायंस जिओ के वित्तीय विवरण के विश्लेष्णात्मक अध्ययन पर आधारित है| प्रस्तुत शोध में जिओ कंपनी के तीन वर्षो के वित्तीय विवरण को सम्मिलित किया गया है | जो वर्ष 2010-2018, 2018-2019, 2019-2020 से संबंधित है| वित्तीय विवरणों का विश्लेषण तुलनात्मक पत्रक तथा अनुपात विश्लेषण पर आधारित है| शोध द्वारा कंपनी तीन वर्षो के लाभ –हानि ,संपत्ति ,दायित्व का तुलनात्मक अध्ययन तथा विभिन्न अनुपातो का अध्ययन करके भविष्य हेतु वित्तीय नियोजन तथा विकास संभावनाओ का पता लगा सकती है |

कुंजी- रिलायंस जिओ, वित्तीय विवरण, विश्लेष्णात्मक अध्ययन|

प्रस्तावना-

1. रिलायंस जिओ –

भारत में दूरसंचार के क्षेत्र को विकसित करने में कई सारी कंपनियों का योगदान रहा है | इनमे से सार्वजानिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनएल तथा निजी क्षेत्र की कंपनिया एयरटेल, आईडिया तथा जिओ प्रमुख है| भारत में जिओ का प्रारंभ 5 सितम्बर 2016 से माना जाता है| जिओ के दूरसंचार के क्षेत्र में प्रवेश करने से भारतीय दूरसंचार उद्योग और दूरसंचार स्टॉक मार्केट में अदभुत परिवर्तन हुए है| जिओ के दूरसंचार के क्षेत्र में आने से कई दूरसंचार कंपनियों के अंशो के मूल्य में गिरावट आई है| जिओ केवल भारत में ही नहीं अपितु यू. के.,चीन ,सिंगापुर आदि देशो में भी दूरसंचार सेवाए प्रदान कर रहा है| भारत में जिओ ने मध्यम वर्गीय जनता के लिये कम कीमत पर स्मार्ट फोन उपलब्ध कराये है| जिओ के सबसे बड़े अंशधारक मुकेश अम्बानी है| भारत में जिओ का मुख्यालय मुंबई में है| 31 दिसम्बर 2020 के आकड़ो के अनुसार रिलायंस जिओ के ग्राहकों की संख्या 410.8 मिलियन थी| जिओ द्वारा भारत में कई प्रमुख सेवाए डिजिटल सेवांए ,ब्रॉडबैंड सेवांए, मोबाईल सेवांए आदि प्रदान की जाती है| जिओ ने वर्ष 2016 में अपनी 4G सेवाओ के अंतर्गत कई प्रकार के मल्टीमीडिया एप्स भी प्रारंभ किये है| जिनमे जिओ टीवी, जिओ सिनेमा, जिओ चेट तथा जिओ मैग्स प्रमुख है|

2. वित्तीय विवरण-

प्रस्तुत शोध में रिलायंस जिओ के वित्तीय विवरणों को प्रस्तुत किया गया है| वित्तीय विवरण वर्ष 2017-2018, वर्ष 2018-2019 तथा वर्ष 2019-2020 से संबधित है| वित्तीय विवरण ऐसे लिखित विवरण है| जो किसी कंपनी की व्यावसायिक गतिविधियों और वित्तीय निष्पादन को प्रस्तुत करते है| विभिन्न कंपनियों के लिये टैक्स का निर्धारण करने के लिये सर्वप्रथम उनके वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण किया जाता है| यह अंकेक्षण कार्य या तो लेखापाल

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor 6.252

या सरकारी एजेंसी द्वारा किया जाता है| कंपनी के वित्तीय विवरणों में मुख्य रूप से लाभ –हानि खाता , चिट्ठा और नकद प्रवाह विवरण सम्मिलित है| किसी कंपनी का लाभ-हानि खाता एक निश्चित अवधि के लिये कंपनी के आगम तथा खर्च के विवरण को प्रस्तुत करता है| कंपनी का चिट्ठा एक निश्चित अवधि के लिये कंपनी के संपत्ति तथा दायित्वों के विवरण को प्रस्तुत करता है| तथा नकद प्रवाह विवरण संचालन, विनियोग तथा वित्तीय क्रियाओ से नकद प्रवाह को प्रस्तुत करता है| प्रस्तुत शोध में जिओ कंपनी के लाभ-हानि कहते तथा चिट्ठे को प्रस्तुत किया गया है|

3. विश्लेषणात्मक अध्ययन-

प्रस्तुत शोध में जिओ कंपनी वित्तीय विवरणों का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है| विश्लेषणात्मक अध्ययन एक ऐसा अध्ययन है जिसके माध्यम से भविष्य के कार्यनिष्पादन में सुधार किया जा सकता है| कंपनी के वित्तीय विवरणों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने के लिये विभिन्न तकनीके होती है| प्रस्तुत शोध में तुलनात्मक विश्लेषण तथा अनुपात विश्लेषण को सम्मिलित किया गया है|

साहित्य समीक्षा –

1. (2017) सिंग राजबिंदर "भारतीय दूरसंचार पर रिलायंस जिओ का प्रभाव" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च एण्ड मैनेजमेंट , आई .एस.एस.एन :2321-3418 पेज न.- 6469-6474 वॉल्यूम 05 , इशू 07 इस अध्ययन का उद्देश्य भारतीय दूरसंचार उद्योग पर रिलायंस जिओ के प्रभाव को जानना है| और रिलायंस जिओ की मजबूती , कमजोरी, अवसर आदि का पता लगाना है| अध्ययन से पता चला है कि कंपनी ने 3-5 वर्षो में ही दूरसंचार के बहुत बड़े शेयर मार्केट पर अपना अधिकार कर लिया है| और रिलायंस जिओ ने इस सफलता को प्राप्त करने के लिये बहुत बड़ा विनियोग भी किया है| फिर भी नविन तकनीक और सफलता का भय कंपनी के सामने है|

2. (2017), वेंकटरमण डॉ. एम के., किर्थाना एम.एस.टी.एस. "रिलायंस जिओ के ग्राहक संतुष्टि का अध्ययन" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च , वॉल्यूम 6, इशू 9, प्रस्तुत शोध में कोयम्बटूर क्षेत्र में रिलायंस जिओ के प्रति ग्राहक संतुष्टि का अध्ययन किया गया है| अध्ययन से पता चलता है कि रिलायंस जिओ ग्राहक संतुष्टि हेतु एक सफलतम ब्रांड है| यह ग्राहकों को अनलिमिटेड फ्री कालिंग ,डेटा सर्विस और एस.एम.एस. सुविधाए प्रदान करता है| जिससे ग्राहक 4G सर्विस तथा नेटवर्क कवरेज के लिये अपने दैनिक जीवन में रिलायंस जिओ पर निर्भर होते जा रहे है|

3. (2019) गुप्ता आदित्य, कुशाग्र राघव, धाकड़ पार्थ "रिलायंस जिओ के प्रवेश का दूरसंचार उद्योग तथा ग्राहक पर प्रभाव" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट रिसर्च, आई.एस.एस.एन:2394-6962, वॉल्यूम-9, इशू-3, प्रस्तुत शोध का उद्देश्य रिलायंस जिओ के प्रवेश से मार्केट शेयर में परिवर्तन का अध्यन करना है| रिलायंस जिओ का सामान्य जनता तथा ग्राहक पर प्रभाव का अध्ययन करना है जिओ तथा अन्य प्रतियोगियों द्वारा उपयोग की जाने वाली व्यवसाय रणनीति का अध्ययन करना है| निष्कर्षो से स्पष्ट होता है कि 100 उत्तरदाताओ में से 56 उत्तरदाता रिलायंस जिओ का उपयोग करने लगे है| इसका प्रमुख कारण कॉल रेट टेरिफ का कम होना है|

4. (2020) तंवर एम. जी. इरशाद अली ,मित्तल अखिल कुमार "भारत में दूरसंचार उद्योग पर रिलायंस जिओ का प्रभाव" रिव्यु जर्नल, वॉल्यूम-5, इशू -12 आई.एस.एस.एन:2455-3085 प्रस्तुत शोध में रिलायंस जिओ के भारतीय दूरसंचार उद्योग पर प्रभाव का अध्ययन किया गया है| अध्ययन निष्कर्षो

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor 6.252

से स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में जिओ विश्व का एक बड़ा सूचना संगठन बन गया है| और भारतीय दूरसंचार पर रिलायंस जिओ का अदभुत प्रभाव हुआ है|

अध्ययन का उद्देश्य –

प्रस्तुत शोध रिलायंस जिओ के वित्तीय विवरणों के विश्लेषणात्मक अध्ययन पर आधारित है| शोध के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार है-

1.रिलायंस जिओ के विगत 3 वर्षो लाभ-हानि खातो का तुलनात्मक अध्ययन करना|

2. रिलायंस जिओ के विगत 3वर्षो के चिट्टे का अध्ययन करना|

3.रिलायंस जिओ के वित्तीय विवरण के आधार पर अनुपात विश्लेषण करना|

अध्ययन विधि –

प्रस्तुत शोध में रिलायंस जिओ के लाभ-हानि खाते तथा चिट्टे को सम्मिलित किया गया है| जो विगत तीन वर्षो से संबंधित है| यह अध्ययन द्वितीयक आकड़ो पर आधारित है| ये आकडे रिलायंस जिओ द्वारा समय-समय पर प्रकाशित प्रतिवेदनो , आर्टिकल ,जर्नल तथा पब्लिकेशन से लिये गए है| शोध में आकडे सम्पूर्ण भारत से संबंधित है| आकड़ो का विश्लेषण करने के लिये तुलनात्मक पत्रक तथा अनुपात विश्लेषण का प्रयोग किया गया है|

आकड़ो का प्रस्तुतीकरण ,प्रक्रिया और विश्लेषण –

लाभ-हानि खाता-

TABLE 1.1: Comparative Profit and loss a/c (For Year 2017-2018 and Year 2018-2019)

रु (मिलियन में)

Particular	**2017-2018**	**2018-2019**	**Absolute change**	**% change**
Revenue from operation	203550	390510		
Other income	40	100		
Total Revenue(A)	**203590**	**390610**	**187020**	**92%**
Expenses				
Employee benefit expenses	10380	17420		
Network operating ex.	50210	113500		
Access charges net	42300	42270		
License Fees	17680	41590		
Depreciation	36300	64700		

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor 6.252

Finance cost	20490	41480		
Selling Ex.	7970	11500		
Operating Ex.	6940	12390		
Total Expenses (B)	**192270**	**344850**	**152580**	**79%**
Profit before Exceptional Item (A-B)	11320	45760		
Less-Exceptional Item	----------	----------		
Profit before Tax	11320	45760		
Profit after Tax	**7460**	**29820**	**22360**	**300%**

स्रोत:प्रस्तुत आकडे रिलायंस जिओ कंपनी के वार्षिक प्रतिवेदन से लिये गए है|

TABLE 1.2: Comparative Profit and loss a/c (For Year 2018-2019 and Year 2019-2020)

रु (मिलियन में)

Particular	**2018-2019**	**2019-2020**	**Absolute change**	**% change**
Revenue from operation	390510	5449930		
Other income	100	960		
Total Revenue(A)	**390610**	**545890**	**155280**	**40%**
Expenses				
Employee benefit ex.	17420	15530		
Network operating ex.	113500	168730		
Access charges net	42270	58200		
License Fees	41590	57210		
Depreciation	64700	74740		
Finance cost	41480	66170		
Selling Ex.	11500	12770		
Operating Ex.	12390	15730		

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor 6.252

Total Expenses (B)	**344850**	**469080**	**124230**	**36%**
Profit before Exceptional Item (A-B)	45760	76810		
Less-Exceptional Item	----	1460		
Profit before Tax	45760	75350		
Profit after Tax	**29820**	**55990**	**26170**	**88%**

स्त्रोत:प्रस्तुत आकडे रिलायंस जिओ कंपनी के वार्षिक प्रतिवेदन से लिये गए है|

चिट्टा-

Table-1.3: Comparative Balance Sheet (For Year 2017-2018 and 2018-2019) रु (मिलियन में)

Particular	**2017-2018**	**2018-2019**	**Absolute Change**	**% change**
Liabilities				
Total Shareholder's Fund	1029430	405190		
Total non Current Liabilities	643010	946410		
Total current Liabilities	865910	609690		
Total Liabilities	**2538350**	**1961290**	**(577060)**	**(23%)**
Assets				
Total Non current Assets	2341840	1822230		
Total Current Liabilities	196500	139060		
Total Assets	**2538350**	**1961290**	**(577060)**	**(23%)**

स्त्रोत:प्रस्तुत आकडे रिलायंस जिओ कंपनी के वार्षिक प्रतिवेदन से लिये गए है|

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor 6.252

Table-1.4: Comparative Balance Sheet (For Year 2018-2019 and 2019-2020) रु (मिलियन में)

Particular	2018-2019	2019-2020	Absolute Change	% change
Liabilities				
Total Shareholder's Fund	405190	1711420		
Total non Current Liabilities	946410	325740		
Total current Liabilities	**609690**	**384700**		
Total Liabilities	**1961290**	**2421860**	**460570**	**23%**
Assets				
Total Non current Assets	1822230	2132310		
Total Current Liabilities	139060	289550		
Total Assets	**1961290**	**2421860**	**460570**	**23%**

स्त्रोत:प्रस्तुत आकडे रिलायंस जिओ कंपनी के वार्षिक प्रतिवेदन से लिये गए है|

अनुपात विश्लेषण –

1. **शुद्ध लाभ अनुपात**-शुद्ध लाभ *100/शुद्ध विक्रय

   वर्ष 2017-2018- 7460*100/203590=3.66%

   वर्ष 2018-2019- 29820*100/390610=7.63%

   वर्ष 2019-2020- 55990*100/545890=10.26%

2. **व्यय अनुपात** व्यय*100/शुद्ध विक्रय

   वर्ष 2017-2018- 192270*100/203590=94.43%

   वर्ष 2018-2019- 344859*100/390610=88.28%

   वर्ष 2019-2020- 469080*100/545890=85.92%

3 .**चालू अनुपात** –चालू संपत्ति/चालू दायित्व

   वर्ष2017-2018- 196500/865910=0.23:1

   वर्ष2018-2019- 139060/609690=0.23:1

   वर्ष2019-2020- 289550/384700=0.75:1

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor 6.252

तुलनात्मक अध्ययन-

1.तुलनात्मक लाभ-हानि खाता –(table 1.1 and table 1.2) प्रस्तुत सारणी में रिलायंस जिओ कंपनी के तीन वर्षो के लाभ-हानि खाता को तुलनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है| सारणी से स्पष्ट

होता है कि वर्ष 2017-2018 की तुलना में वर्ष 2018-2019 में कंपनी के लाभ में 300% की वृद्धि हुई है| तथा वर्ष 2018-2019 की तुलना में वर्ष 2019-2020 में कंपनी के लाभ में 88% कि वृद्धि हुई है| अतः प्रत्येक वर्ष कंपनी के लाभ में वृद्धि हुई है|

2.तुलनात्मक चिट्ठा –(table 1.3 and table 1.4) प्रस्तुत सारणी में रिलायंस जिओ के तुलनात्मक चिट्ठे को प्रस्तुत किया गया हैl

स्पष्ट होता है कि वर्ष 2017-2018 की तुलना में वर्ष 2018-2019 में कंपनी के संपत्ति तथा दायित्वों में (23%) कि कमी हुई है तथा वर्ष 2018-2019 की तुलना में वर्ष 2019-2020 में कंपनी के संपत्ति तथा दायित्वों में 23% की वृद्धि हुई है|

शुद्ध लाभ अनुपात –

शुद्ध लाभ अनुपात शुद्ध लाभ का विक्रय पर अनुपात होता है रिलायंस जिओ कंपनी का शुद्ध लाभ अनुपात वर्ष 2017-2018 में 3.66%, वर्ष 2018-2019 में 7.63% तथा वर्ष 2019-2020 में 10.26% है| अतः लाभ अनुपात में प्रति वर्ष वृद्धि हुई है|

व्यय अनुपात –

व्यय अनुपात व्यय का विक्रय पर अनुपात है| कंपनी का वर्ष 2017-2018 में व्यय अनुपात 94.43%,वर्ष 2018-2019 में 88.82% तथा वर्ष 2019-2020 में 85.92% रहा है| अतः कंपनी के व्ययों में निरंतर कमी हुई है|

चालू अनुपात-

चालू अनुपात चालू संपत्ति का चालू दायित्व पर अनुपात है | कंपनी का वर्ष 2017-2018 में चालू अनुपात 0.23:1 , वर्ष 2018-2019 में 0.23:1 तथा वर्ष 2019-2020 में 0.75:1 है|

भविष्य में सम्भावनाये –

प्रस्तुत अध्ययन रिलायंस जिओ कंपनी के वित्तीय विवरण के विश्लेषण पर आधारित है|इसमें कंपनी के लाभ-हानि खाते तथा चिट्ठे के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण तथा अनुपात विश्लेषण किया गया है यह अध्ययन तीन वर्षो के आकड़ो पर आधारित है|अतः भविष्य में इस अध्ययन के आधार पर कोई भी शोधकर्ता तीन से अधिक वर्षो के लिये कंपनी के वित्तीय विवरणों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकता है| तथा अन्य दूरसंचार कंपनी जैसे –आइडिया ,एयरटेल, बीएसएनएल आदि के लिये भी इसप्रकार का अध्ययन किया जा सकता है| तथा कंपनी की प्रगति का विश्लेषण किया जा सकता है|

सुझाव –

उपरोक्त निष्कर्षो से स्पष्ट होता है कि कंपनी निरंतर प्रगति की और अग्रसर हो रही है|तथा कंपनी के लाभ में भी निरंतर वृद्धि हो रही है| किन्तु फिर भी बाजार में स्थापित रहने के लिये यह आवश्यक है कि वह अन्य प्रतियोगी दूरसंचार कंपनियों कि तुलना में अधिक आकर्षक योजनाये समावेशित करे और ग्राहक संतुष्टि स्तर प्राप्त करे | कंपनी को ग्राहक सेवा केंद्र, कवरेज (विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में) आदि सेवाओ में भी गुणवत्ता लाने का प्रयास करना चाहिए |जिससे कि अधिक से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करके लाभ में वृद्धि की जा सके|

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor 6.252

निष्कर्ष-

रिलायंस जिओ कंपनी के तीन वर्षो के वित्तीय विवरणों के तुलनात्मक अध्ययन के निष्कर्षो से स्पष्ट होता है कि कंपनी के लाभ में प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है| तथा कंपनी कि संपत्तियों तथा दायित्वों में पहले कमी हुई है परंतु बाद में संपत्तियों तथा दायित्वों की कीमत वृद्धि में हुई है | कंपनी के व्ययों में भी प्रति वर्ष कमी हो रही है| कंपनी के चालू अनुपात में भी वृद्धि हुई है| अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि कंपनी सफलता की और अग्रसर हो रही है |

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. (2017) सिंग राजबिंदर "भारतीय दूरसंचार पर रिलायंस जिओ का प्रभाव" इंटरनेशनल journal ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च एण्ड मैनेजमेंट, आई .एस.एस.एन :2321-3418 पेज न.- 6469-6474 वॉल्यूम 05 , इशू 07

2. (2017) , वेंकटरमण डॉ. एम के.,किर्थाना एम.एस.टी.एस. "रिलायंस जिओ के ग्राहक संतुष्टि का अध्ययन"इंटरनेशनल journal ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च , वॉल्यूम 6, इशू 9

3. (2019) गुप्ता आदित्य, कुशाग्र राघव, धाकड़ पार्थ "रिलायंस जिओ के प्रवेश का दूरसंचार उद्योग तथा ग्राहक पर प्रभाव" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट रिसर्च, आई.एस.एस.एन:2394-6962, वॉल्यूम-9, इशू-3

4. (2020) तंवर एम. जी. इरशाद अली ,मित्तल अखिल कुमार "भारत में दूरसंचार उद्योग पर रिलायंस जिओ का प्रभाव" रिव्यु जर्नल, वॉल्यूम-5, इशू -12 आई.एस.एस.एन:2455-3085

5. www.academia.edu.

6. bschool.cms.ac.in

7. www.ijcrt.org.

8. www.ijemr.net

9. www.rill.com

10. www.researchgate.net

11. www.scribd.com.